MAHARAJA KRISHNAKUMARSINHJI BHAVNAGAR UNIVERSITY(With effect from Academic Year 2021-22)

बी.ए. सेमेस्टर – 4
अनिवार्य हिन्दी

प्रतिपाद्य :-

उपन्यास की लोकप्रियता आज़ भी अक्षुण्ण है। हिन्दी साहित्य में भी उपन्यासकारों की लेखनी ने अपने उपन्यासों में समाज जीवन क़े यथार्थ व मनवानुभूतियो का सफल चित्रांकन किया है। समाज जीवन की परत-दर-परतें उद् घाटित करने वाले बेनमून उपन्यासों से हिन्दी व हिंदीत्तर विद्यार्थियों का परिचित होना अनिवार्य है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों मे उपन्यासों के प्रति अभिरुचि संवर्धित करने का प्रयास है।

पाठ्यपुस्तक : 'चित्रलेखा' (उपन्यास) - भगवतीचरण वर्मा।

युनिट-1 भगवतीचरण वर्मा के व्यक्तिव व कृतित्व का परिचयात्मक अध्यापन।

'चित्रलेखा' उपन्यास का औपन्यासिक तत्वों की दृष्टि से अध्यापन।

कक्षा अध्यापन 12 घंटे, अंक - 18

युनिट-2 'चित्रलेखा' उपन्यास के प्रमुख तथा गौण चरित्रों का अध्यापन।

'चित्रलेखा' उपन्यास की प्रमुख समस्याओं का अध्यापन।

कक्षा अध्यापन 12 घंटे, अंक -18

युनिट-3 'चित्रलेखा' उपन्यास के आधार पर स-संदर्भ व्याख्या का अध्यापन।

'चित्रलेखा' उपन्यास का अंत, शीर्षक और उदेश्य का अध्यापन।

कक्षा अध्यापन 11 घंटे, अंक -17

युनिट-4 काल एवम कारक का प्रकारगत अध्यापन।

रचना विभाग :

विभिन्न पद हेतु आवेदन पत्र।

गुजराती से हिन्दी में अनुवाद।

कक्षा अध्यापन 10 घंटे, अंक - 17

प्रश्नपत्र प्रारूप :

लिखित परीक्षा 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन :

1. कसौटी - 15 अंक | (10 अंक निबंधलक्षी प्रश्न और 5 अंक के लघुत्तरी प्रश्न)
2. स्वाध्याय/प्रस्तुतीकरण - 10 अंक |
3. उपस्थिति - 05 अंक |

कुल - 30 अंक

1.1 30 अंक की कसौटी के अंतर्गत 4 इकाइयों से 4 प्रश्न होंगे और प्रश्नों के अंक क्रमशः 08+08+07+07=30 रहेंगे |

1.2 स्वाध्याय कम से कम 15 पृष्ठों में लिखा हुआ होना अनिवार्य है |

सूचना : आंतरिक एवं लिखित परीक्षा का विश्वविद्यालय द्वारा निर्दिष्ट प्रश्नपत्र प्रारूप पाठ्यक्रम के अंत में दिया गया है |

संदर्भ ग्रंथ

1. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण—डॉ. हरदेव बाहरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
2. हिन्दी रुप रचना,भाग-1 और 2 - जयेंद्र त्रिवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।